

चाहे जमाना रूठे पर ये लगन न छूटे

चाहे जमाना रूठे पर ये लगन न छूटे
रहे साथ में सदा साँवरा साथ कभी ना छूटे,
दुनियाँ ना मेरे किसी काम की,
मैं तू दीवानी अपने श्याम की,
चाहे जमाना रूठे पर ये लगन ना छूटे

श्याम है जबसे मन में समाया,
कितनी बदल गई जीवन की छाया,
हर सपना पूरा होने लगा है,
कितनी निराली है इसकी माया,
अब चाहे हर रिश्ता टूटे बस ये संग ना छूटे
मिली है निशानी जब से नाम की,
मैं तो दीवानी अपने श्याम की
महिमा निराली इसके धाम की,
मैं तो दीवानी अपने श्याम की
चाहे जमाना रूठे पर ये लगन ना छूटे।।

इसकी कृपा शोहरत मिली है,
मुरझाए मन की कली हर खिली है,
गिरने ना मुझको उसने दिया है,
मिला जख्म जो भी उसी ने सियाँ है,
अब चाहे गम जितने टूटे पर दामन ना छूटे
महिमा निराली इसके धाम की,
मैं तो दीवानी अपने श्याम की
चाहे जमाना रूठे पर ये लगन ना छूटे।।

शाम को जो भी अपना बनाए बेचैनी धीरज पाये
श्याम को जो भी गुणगान गाये,
रहे दूर उससे सदा दुःख की साये
बनके दीवाना वो यश लुटे बाकि लगे सब झूठे
पूजा करू में खाटू धाम,
मैं तो दीवानी अपने श्याम की
चाहे जमाना रूठे पर ये लगन ना छूटे

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22105/title/chahe-jamana-ruthe-par-ye-lagan-na-chute>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |